This question paper contains 8 printed pages]

3382-R

B.A. (Third Year) EXAMINATION, 2018

HINDI LITERATURE

Paper II

(गद्य)

Time allowed : Three Hours

Maximum Marks : 100

Part A (खण्ड 'अ') **[Marks : 20]**

*Answer all questions (**50** words each).*

***All** questions carry equal marks.*

***सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर **पचास** शब्दों से अधिक न हो। **सभी** प्रश्नों के अंक समान हैं।*

Part B (खण्ड 'ब') **[Marks : 50]**

*Answer five questions (**250** words each),*

*selecting **one** question from each Unit.*

***All** questions carry equal marks.*

*प्रत्येक इकाई से **एक-एक** प्रश्न चुनते हुए, कुल **पाँच** प्रश्न कीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर **250** शब्दों से अधिक न हो। **सभी** प्रश्नों के अंक समान हैं।*

P.T.O.

Part C (खण्ड 'स') [Marks : 30]

*Answer any two questions (**300** words each).*

***All** questions carry equal marks.*

*कोई **दो** प्रश्न कीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर **300** शब्दों से अधिक न हो। **सभी** प्रश्नों के अंक समान हैं।*

खण्ड 'अ'

1. (*i*) आचरण की सभ्यतामय भाषा कैसी होती है ?

(*ii*) भारतीय संस्कृति में 'गौ' से विकसित शब्दों को बताइए।

(*iii*) 'भारतीय साहित्य की प्राण शक्ति' निबंध के निबंधकार का नाम लिखिए।

(*iv*) 'भारतीय कला दृष्टि' निबंध के निबंधकार कौन हैं ?

(*v*) यश के भाइयों के नाम बताइए।

(*vi*) 'क्या फिसिर-फिसिर रोया करते हो ? मरना-जीना तो लगा ही रहता है।' उक्त वाक्य किसने किससे कहा ?

(*vii*) 'इतनी सी बात' एकांकी में आए पात्रों के नाम बताइए।

(*viii*) 'पुरस्कार' एकांकी का प्रतिपाद्य विषय क्या है ?

(*ix*) जगदीशचंद्र माथुर की कोई **दो** एकांकियों के नाम बताइए।

(*x*) कोई **दो** आंचलिक उपन्यासों के नाम बताइए।

खण्ड 'ब'

इकाई I

निम्नलिखित गद्यांशों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए–

2. पुस्तकों में लिखे हुए नुसखों से तो और भी अधिक बदहजमी हो जाती है। सारे वेद और शास्त्र भी यदि घोलकर पी लिए जाएँ तो भी आदर्श आचरण की प्राप्ति नहीं होती। आचरण-प्राप्ति की इच्छा रखने वाले को तर्क-वितर्क से कुछ भी सहायता नहीं मिलती। शब्द और वाणी तो साधारण जीवन के चोचले हैं। ये आचरण की गुप्त गुहा में प्रवेश नहीं कर सकते । वहाँ इनका कुछ भी प्रभाव नहीं पड़ता।

अथवा

3. साधारणत: लोगों ने समझ रक्खा है कि वीर-रस प्रधान काव्यों का ही नाम 'एपिक' है। इसका कारण यह है कि जिस

देश और जिस काल में वीर-रस का गौरव प्रधान रहा हो, उस देश और उस काल के महाकाव्य भी अवश्य ही वीर-रस से पूर्ण होंगे। रामायण में यथेष्ट मार-काट का वर्णन है। राम में भी असाधारण बल था; किन्तु तो भी रामायण में जो रस प्रधान है, वह वीर-रस नहीं। रामायण में शारीरिक-बल-प्राधान्य प्रकट नहीं किया गया युद्ध की घटनाओं का ही वर्णन करना उसका मुख्य विषय नहीं।

इकाई II

निम्नलिखित गद्यांशों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

4. प्रत्येक पुरुष को अपने किए का फल भोगना ही पड़ेगा। प्रलय भी हो जाए तो भी वह अपनी करनी के फल से मुक्त नहीं हो सकता। महाभारत में कहा गया है कि पूर्व सृष्टि में प्रत्येक प्राणी ने जो कुछ कर्म किया हो, वह कर्म पुनः-पुनः सृज्यमान होता हुआ उसे परवर्ती काल में भी मिलेगा ही। फिर वह उसे भोगने को तैयार हो या नहीं। समस्त भारतीय साहित्य में पुनः-पुनः कर्मबंध से मुक्त होने का उपाय बताया गया है। समस्त शास्त्र अपना अंतिम लक्ष्य जन्म-कर्म के बंधन से छुटकारा पाने को कहते हैं। इस सिद्धान्त का जितना व्यापक और जबर्दस्त प्रभाव हिंदू संस्कृति, हिंदू साहित्य और हिंदू जीवन पर पड़ा है, उतना किसी भी और दार्शनिक सिद्धांत का किसी भी और जाति पर पड़ा है या नहीं, नहीं मालूम।

अथवा

5. पुरोहितों और राजाओं से दबे हुए लोगों ने जब सांसारिक बंधनों से मुक्ति पाने के लिए अपना अधिकार घोषित किया तब शासक वर्ग प्रसन्न नहीं हुआ। मुक्ति और धर्म पर वह अपना इशारा समझता था। हर वर्ण के लिए उसने धर्म-कर्म की व्यवस्था कर रखी थी; उसमें किसी तरह का हेर-फेर करने पर कठोर दंड देने की व्यवस्था भी थी। इसलिए सामंतों और पुरोहितों के खिलाफ जनता के संघर्ष ने अगर धार्मिक लिबास पहना तो वह एक अनिवार्य ऐतिहासिक आवश्यकता थी।

इकाई III

निम्नलिखित गद्यांशों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए—

6. इन नेताओं को प्रसिद्धि की कितनी बड़ी हवस होती है और कितने बड़े झूठ का संस्कार पाल लेते हैं लोग ! और ये पत्रकार अपने को बहुत बहादुर समझते हैं, बहुत जनतावादी और स्वतंत्र विचारवादी बनते हैं; लेकिन इनसे कोई पूछे कि आप इन नेताओं के आगे-पीछे क्यों दुम हिलाते रहते हैं, जनता की फोटो छापने के बदले आप इन्हीं की फोटो क्यों छापते रहते हैं ? जब किसी साहित्यिक गोष्ठी में ये नेता

आते हैं तो आप उन नेताओं के औपचारिक अर्थहीन वक्तव्यों को तो छापते हैं, साहित्यकारों के अर्थपूर्ण वक्तव्यों की क्यों उपेक्षा कर जाते हैं ? ये पत्रकार ही तो इन नेताओं को हीरो बनाते हैं।

अथवा

7. आकाश शोर से गड़गड़ा उठा । उसने देखा—बहुत नीचे हेलिकाप्टर उड़ रहा है। चारों ओर शोर मच गया—हेलिकाप्टर....हेलिकाप्टर. ....। शोर के साथ हवा का तेज प्रवाह भी चल रहा था। उसने सोचा कि शायद कुछ लोग सहायता करने आए हैं। लेकिन कहीं कुछ नहीं । कुछ लोग उसमें बैठे हुए दिखाई दे रहे थे। वे शायद तमाशा देखने आए हैं। कोई मंत्री होंगे, नेता होंगे। सरकारी शब्दों में वे बाढ़ का मुआयना करने आए हैं, जनता का दुख-दर्द देखने आए हैं ताकि उसके लिए उचित प्रबंध कर सकें, लेकिन सही शब्दों में वे तमाशा देखने आए हैं ताकि अखबारों, रेडियो, टेलीविजन पर अपनी फोटो के साथ बयान दे सकें।

इकाई IV

8. 'घोंसले शब्द प्रतीकात्मक है।' इस कथन की समीक्षा 'घोंसले' एकांकी के आधार पर कीजिए।

अथवा

9. "लक्ष्मीनारायण मिश्र का एकांकी 'बलहीन' साहित्य के खोखलाते मूल्यों और संवेदनहीन स्थितियों पर व्यंग्य है।" इस कथन की समीक्षा 'बलहीन' एकांकी के आधार पर कीजिए।

इकाई V

10. स्वातंत्र्योत्तर उपन्यास एवं उसकी विशिष्टताओं पर एक टिप्पणी लिखिए।

अथवा

11. भारतभूषण अग्रवाल की एकांकी शैली एवं कथ्य की विशिष्टता पर एक सारगर्भित टिप्पणी लिखिए।

खण्ड 'स'

इकाई I

12. 'द्विवेदी ने रामायण के भाव-कला-वैभव का विश्लेषण किया है।' इस कथन की समीक्षा 'रामायण' निबंध के प्रकाश में कीजिए।

इकाई II

13. 'मनुष्य के यौवन के अंतिम नक्षत्र स्वरूप उत्तराफाल्गुनी समझना चाहिए।' उक्त कथन के आधार पर 'उत्तराफाल्गुनी के आस-पास' निबंध में वर्णित संदेश को स्पष्ट कीजिए।

इकाई III

14. 'आकाश की छत' उपन्यास के रचना-विधान पर एक टिप्पणी लिखिए।

इकाई IV

15. स्वतंत्रता पूर्व के उपन्यासकारों एवं उनके उपन्यास की विशिष्टताओं पर एक लेख लिखिए।

इकाई V

16. एकांकी के कितने प्रकार होते हैं ? बताइए।